

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
विधित्वा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल, देहरादून।

विधित्वा अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक : 27 मार्च, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में सामुदायिक स्वास्थ्य छाड़ी, जनपद टिहरी के भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-74/1/सीएमसी/45/2005/6291 दिनांक 4.03.2006 को संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छाड़ी, जनपद टिहरी के आवासीय तथा अनावासीय भवन निर्माण हेतु रु० 1,89,70,000.00 (रु० एक करोड़ चारसी लाख सत्तर हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए भालू वित्तीय वर्ष में संलग्न सीएमसी-15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुमानान्तर्गत उपलब्ध नकशों के व्ययार्जन रु० 80,00,000.00 (रु० पच्चास लाख मात्र) की धनराशि को व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- एगमुरत प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर राशन अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर ले।

2- कार्य करार समय सी० नि० विभाग के स्वीकृत दिशिष्टियों के अनुरूप कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

3- उक्त धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा राशनवात् अपर परियोजना प्रमुखक, उ०प्र० राजकीय निर्माण विभाग, उत्तरांचल को उपलब्ध कराई जायेगी। प्रत्येक चरण में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण एजेन्सी कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि कार्य स्वीकृत लागत में ही पूर्ण करारा जायेगा तथा किसी भी चरण में लागत पुनरीक्षित नहीं की जायेगी।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाक्यर राशिया एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में

A

बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गमित आदेशों के अनुसार विना कानूनिष्ठता विना जायेगा।

5- आगमन में चलिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों में जो दरें शिक्षण और रेंट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा वास्तविक भाव से भी ली गयी हो, कि स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण स्तर के अधिकारों का अनुमोदन आवश्यक होगा।

6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानांतर गणित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राथमिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राथमिक स्वीकृति के कार्य आरम्भ न किया जाय।

7- कार्य पर खर्चा ही व्यय किया जायेगा जिसका कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कटौति न किया जाय।

8- एक गुणा प्राधिकार को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गणित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

9- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करवाये समय मालूम करना सुनिश्चित करें।

10- कार्य करने से पूर्व स्वतः भग्न भूखण्ड निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं गुणवत्ता को सक्षम आवश्यक करा लें। निरीक्षण के भ्रष्टाचार रकम आवश्यकतानुसार निर्देशों

तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य विना जायेगा।

11- आगमन को विना नहीं हेतु जो शक्ति स्वीकृत की गयी है, उसी मध्य पर व्यय किया जाए, एक मध्य का दूसरी मध्य में व्यय कटौति न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाए, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं नैतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशक में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रकृत पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्गत किया गया है।

13- निर्माण को समाप्त यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशक में शासन को स्वीकृति आवश्यक होगी।

14- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।

A

15- चयन गवनों के कार्यों की शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत मुहूर्तित कार्यों की आवश्यकता न पड़े ।

16- चयन व्यय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवार्थ-आयोजनागत, 104 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 03-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना-02-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण का (विस्तार अंश), 24-ग्रहण निर्माण कार्य से नाम लेखा जायेगा तथा सलग्न बी0एम0-15 के कालेन-1 की वृत्तों से महन किया जायेगा ।

17- यह आदेश विना दिनांक के असा0 सं0-1214/विना (व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/2008 दिनांक 26.03.2008 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

नवदीप

(अतार सिंह)
उप सचिव

संख्या -128(1) /XXVIII-4-08-21/06 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महोपाध्यक्ष, उत्तरांचल, गोरखा देशदुल ।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून ।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 4- जिलाधिकारी टिहरी ।
- 5- मुख्य चिकित्साधिकारी टिहरी ।
- 6- अपर परियोजना प्रबंधक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम, उत्तरांचल ।
- 7- निजी सचिव भाउमुख्यमंत्री ।
- 8- बजट राजवर्षीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून ।
- 9- विना (व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0
- 10- अनुसूचि मंत्रालय/भंडवाल मण्डल, उत्तरांचल ।
- 11- गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,



(अतार सिंह)

उप सचिव